व्यापार की योजना

= आय सृजन गतिविधि – पोल्ट्री
द्वारा

हरे कृष्णा–स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/सीआई जी नाम	: :	हरे कृष्णा पोल्ट्री फार्म
वीएफडीएस नाम	: :	बड़ूही
श्रेणी	: :	नूरपुर
विभाजन	: :	नूरपुर

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के अंतर्गत तैयार किया गया:

विषयसूची

क्र. सं. नहीं।	रुपये का एक कण	पेज/एस
1	कार्यकारी सारांश	3-5
2	सामान्य हित समूह का विवरण	6
3	गांव की भौगोलिक स्थिति	7-8
4.	विवरण का उत्पाद संबंधित को आय सृजन गतिविधि	9
5	उत्पादन प्रक्रिया	9-10
6	उत्पादन योजना	10
7	मार्केटिंग	10
8	समूह के सदस्यों के बीच उद्यम का प्रबंधन	11
9	स्वोट अनालिसिस	12
10	संभावित जोखिम और उन्हें कम करने के उपाय	12-13
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	13
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	13
13	अनुमान लगाना	13-14
14	लाभ लागत विश्लेषण (एक चक्र के लिए)	14-17
15	**पैसे की जरूरत**	18
	(ए) वित्तीय आवश्यकता का समूह	18

	(बी) वित्तीय संसाधनों का समूह	19
16	ब्रेक ईवन प्वाइंट की गणना	19
17	ऋण चुकौती के लिए किस्त योजना	20
18	कृमि खाद	21
19	उत्पादन प्रक्रियाओं, योजना और विपणन का विवरण	22-23
20	स्वोट अनालिसिस	24
21	अर्थशास्त्र का वर्णन	25-26
22	निधि की आवश्यकता	27
23	निधि का स्रोत एवं बैंक ऋण चुकौती	28
24	निगरानी तंत्र	29
25	कुल परियोजना लागत	30
26	समूह सदस्य फोटो	31
27	अनुमोदन पत्र	32

1. परिचय

हिमाचल प्रदेश भारत के उत्तरी भाग में एक राज्य है और पश्चिमी हिमालय में स्थित है। इसकी विशेषता एक चरम परिदृश्य है जिसमें कई चोटियाँ और व्यापक नदी प्रणाली शामिल है। हिमाचल प्रदेश को "भगवान की भूमि" के रूप में जाना जाता है और यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश वनस्पतियों और जीवों से समृद्ध है। हिमाचल प्रदेश में 12 जिले हैं और कांगड़ा राज्य के 12 प्रशासनिक जिलों में से एक है। कांगड़ा जिला पैंतीस प्रशासनिक उपमंडलों में विभाजित है। 2011 की जनगणना के अनुसार कांगड़ा जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 5,739 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या 1423794 है।

जिले में घाटियों की संख्या 733 मीटर से लेकर 733 मीटर की ऊंचाई तक है। कांगड़ा जिला जालंधर दोआब से लेकर हिमालय की दक्षिणी श्रृंखला तक फैला हुआ है, यह बनेर नदी और माझी नदी के संगम पर एक शहर है और ब्यास यहां की एक महत्वपूर्ण नदी है।

पोल्ट्री उद्योग भारतीय कृषि में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। अंडा प्रोटीन का एक उत्कृष्ट स्रोत होने के कारण तेजी से शहरी इंडीज के बीच पसंदीदा बन रहा है, जो दुनिया का चौथा सबसे बड़ा अंडा उत्पादक है। भारत में लेयर सेगमेंट बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है और वर्तमान में इसका अनुमान रु. 10,000 करोड़ (INR 100 बिलियन)। कृषि मंत्रालय के अनुसार, भारत का अंडा उत्पादन प्रति वर्ष 47.3 बिलियन अंडे होने का अनुमान है। आज, अधिक से अधिक 'अकाहारियों' के बढ़ने के साथ, अंडे की खपत सालाना 8% - 10% की दर से बढ़ रही है। यह छोटे/सीमांत किसानों और खेतिहर मजदूरों की सहायक आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। पक्षियों से प्राप्त खाद इसका एक अच्छा स्रोत है

मिट्टी की उर्वरता और फसल की पैदावार में सुधार के लिए कार्बनिक पदार्थ। चूँकि कृषि अधिकतर मौसमी होती है, इसलिए मुर्गी पालन के माध्यम से कई लोगों के लिए साल भर बढ़िया भोजन रोजगार की संभावना होती है। विशेष रूप से अंडा उत्पादन के लिए पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं के साथ और आसपास तेजी से लोकप्रिय हो गया है। क्षेत्र में मौजूदा समय में मांग अधिक है। यह दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है और क्षेत्र में झुंड की वर्तमान ताकत बढ़ती मांग को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। एकीकृत कृषि प्रणाली को अपनाने में वृद्धि, संपर्क खेती, आहार और स्वास्थ्य के बारे में लोगों की जागरूकता, अन्य मांस की तुलना में पोल्ट्री मांस की लागत प्रभावशीलता, इसकी कम वसा सामग्री, बेहतर प्रोटीन गुणवत्ता और लोगों की जीवन शैली में बदलाव भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। पोल्ट्री सेक्टर का शानदार विकास.

मुर्गी पालन का मुख्य उद्देश्य है:-

i) अंडे की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए.

ii) कांगड़ा के गरीब किसानों की आय बढ़ाना।

वीएफडीएस बदुही के पुरुषों ने 24 महिला सदस्यों के समूहों द्वारा पोल्ट्री को अपनी आईजीए गतिविधि के रूप में तय किया है। उन्होंने मुर्गी पालन का निर्णय लिया है और कुछ स्वयं सहायता समूह अपने परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही गतिविधि में हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को आईजीए के रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसे कमा सकें और कठिन समय के लिए कुछ बचत भी जुटा सकें। विभिन्न आयु वर्ग की 24 महिलाओं का एक समूह जेआईसीए परियोजना के तहत एक एसएचजी बनाने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना का मसौदा तैयार करने का फैसला किया जो उन्हें इस आईजीए को सामूहिक तरीके से लेने और अपनी अतिरिक्त

आय बढ़ाने में मदद कर सकता है। प्रस्तावित इकाई भूमि के एक टुकड़े पर स्थित होगी जिसके लिए ग्राम पंचायत बदुही ने इस गतिविधि को शुरू करने के लिए प्रस्ताव/एनओसी दे दी है और पारित कर दिया है। साइट लगभग समतल हो चुकी है और पहुंच मार्ग से अच्छी तरह जुड़ी हुई है। मुर्गी पालन के लिए बिजली एक आवश्यक घटक है क्योंकि यह चूजों के पालन-पोषण के लिए और पानी की आपूर्ति के साथ-साथ क्षेत्र की रोशनी के लिए उपयोग किए जाने वाले पंपों के लिए आवश्यक है। यह फार्म साइट के पास उपलब्ध है. जलापूर्ति सुनिश्चित न होने पर खेत पर ट्यूबवेल/हैंडपंप प्रस्तावित है।

भूमिगत जल पर्याप्त रूप से उपलब्ध है और अच्छी गुणवत्ता का है।

आवास के लिए, एक परत के मामले में 1 वर्ग फीट की दर से ब्रूडर-कम-ग्रोअर हाउस के निर्माण का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, फार्म में एक छोटा स्टोर रूम, कार्यालय और नौकरों के क्वार्टर होंगे। मकान का निर्माण सर्वोत्तम छत सहित पक्का होगा। बिल्ट-इन बिछाने वाले घोंसलों के निर्माण का भी प्रावधान किया गया है। ट्यूबवेल की स्थापना और पाइपलाइन बिछाने का काम भी किया जाना है।

एक दिन पुराने वाणिज्यिक संकर चूजों को पास की हैचरी से ले जाया जाएगा और चूजों को स्रोत पर मारेक रोग (एमडी) के खिलाफ टीका लगाया जाएगा। चूजों को नियमित अंतराल पर बड़ी संख्या में खरीदा जाएगा।

चूजों के लिए चारा निकटतम बाजार से खरीदा जाएगा जहां चारा उपलब्ध है या यदि संभव हो तो सीधे चारा कंपनी के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार, चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा सहायता सुविधाएं नजदीकी पशु चिकित्सा विभाग से उपलब्ध कराई जाएंगी।

2.एसएचजी/सीआईजी का विवरण

2.1	एसएचजी/सीआईजी नाम	::	हरे कृष्णा पोल्ट्री फार्म
2.2	वीएफडीएस नाम	::	बदुही
.3	श्रेणी	::	नूरपुर
3.4	विभाजन	::	नूरपुर
3.5	गाँव	::	बदुही
3.6	अवरोध पैदा करना	::	नूरपुर
3.7	ज़िला	::	कांगड़ा
3.8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	12-महिला
3.9	गठन की तिथि	::	17-10-2022
3.10	बैंक खाता नं.	::	Himachal Pradesh Gramin Bank
3.11	बैंक विवरण	::	50075702716
3.12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	50
3.13	कुल बचत	::	6000
3.14	कुल अंतर-ऋण	::	–
3.15	नकद ऋण सीमा	::	–
3.16	चुकौती स्थिति	::	–

लाभार्थियों का विवरण:

सीनियर कुंआ	नाम	पद का नाम	सीटीजी	मोबाइल नंबर
1.	नीलम कुमारई पत्नी संतोष लाल	अध्यक्ष	अनुसूचित जाति	7876693070
2.	अंजू बाला पत्नी बीयर सिंह	स्राव का	अनुसूचित जाति	9816005732
3.	कैलाशों देवी पत्नीसोमराज	कोषाध्यक्ष	अनुसूचित जाति	9805924427
4.	रंजना देवी पत्नी सुरेश कुमार	सदस्य	अनुसूचित जाति	7807173357

5.	शुभ लता पत्नी रामपाल	सदस्य	अनुसूचित जाति	9736456746
6.	कमला देवी पत्नी जगजीवन कुमार	सदस्य	अनुसूचित जाति	9816538205
7.	कृष्णा देवी पत्नी तरसेम लाल	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	
8.	राज रानी पत्नी कुशल कुमार	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	7876343411
9.	ज्योति देवी पत्नी शशि कुमार	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	8894809852

10.	इंदु रानी पत्नी संजीव कुमार	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	7876844754
11।	मनु रानी पत्नी सतिंदर कुमार	सदस्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	7814187129
12.	संध्या देवी पत्नी रामपाल	सदस्य	अनुसूचित जाति	-

बदूही गाव का भौगोलिक विवरण

4.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	86 कि.मी
4.2	रेंज कार्यालय से दूरी	::	10 कि.मी
4.3	मुख्य सड़क से दूरी	::	4 किमी
4.4	स्थानीय बाज़ार का नाम और दूरी	::	पठानकोट - 10 किमी, जसूर - 8 किमी, नूरपुर - 18 किमी और बकलोह

4.5	मुख्य बाज़ार का नाम एवं दूरी	::	पठानकोट - 10 किमी, जसूर - 8 किमी, नूरपुर - 18 किमी

4.6	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	::	पठानकोट - 10 किमी, जसूर - 8 किमी, नूरपुर - 18 किमी

4.7	नाम का वे स्थान/स्थान जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा		पठानकोट - 10 किमी, जसूर - 8 किमी, नूरपुर - 18 किमी

4. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम		हरे कृष्णा पोल्ट्री फार्म और वर्मीकम्पोस्टिंग
2	उत्पाद पहचान की विधि		यह गतिविधि एसएचजी सदस्यों द्वारा तय की गई है। इसके अलावा, एसएचजी का एक सदस्य पहले से ही यह गतिविधि कर रहा है। स्थानीय बाजार में भारी मांग है जिससे अतिरिक्त आय बढ़ेगी।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति		हाँ

5. उत्पादन योजना का विवरण:

शुरुआत में मुर्गी पालन की परियोजना के माध्यम से नूरपुर स्थित पशुपालन विभाग और गांव के आसपास स्थित निजी हैचरी से भी मार्गदर्शन लिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद प्रत्येक चिकन कॉप और ट्रे आदि पर परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार परियोजना के पूंजीगत व्यय से 75% सब्सिडी दी जाएगी। समूह ने तय किया है कि शुरुआत में चूजों को पाला जाएगा और जब वे बड़े हो जाएंगे तो उन्हें खुले और प्राकृतिक वातावरण में पाला जाएगा। इसलिए, 18 सप्ताह के बाद जब मुर्गियों का वजन 2 किलोग्राम तक हो जाता है और 6 महीने के बाद, मुर्गियां अंडे देने के लिए बड़ी हो जाती हैं। स्थानीय बाजार में मुर्गे के मांस और अंडे की भारी मांग है. समूह के सभी सदस्यों के लिए उनकी मार्केटिंग करना कोई समस्या नहीं होगी

काम को सामूहिक रूप से बांटकर स्थानीय बाजार में करेंगे, उसके बाद ब्रॉयलर चिकन के अंडों से देसी मुर्गियों की मार्केटिंग भी की जायेगी.

उत्पादन के लिए योजना

पहला दौर:

कार्य दिवस : 365 दिन

काम करने वाले व्यक्ति :12 व्यक्ति (प्रति दिन 2 घंटे से 3 घंटे, सुबह और शाम को एक घंटा)

चिकन और कच्चे माल का स्रोत: चिकन के लिए पोल्ट्री फार्म, पशुपालन और अन्य समान फार्म स्थित जसूर और नूरपुर में।

अन्य संसाधनों का स्रोत: स्थानीय हैचरियाँ स्थानीय

आवश्यक सामग्री : 840 टुकड़े

अनुमानित उत्पादन : 400 इतनी संख्या में मुर्गियां तैयार हो जाएंगी चिकन मास के लिए!

400 x 25 = 10000 अंडे प्रति माह

चक्र में कुल अंडा उत्पादन : 10000x 6 = 60000

6.1	समय लिया	: :	ऊपरोक्त अनुसार
6.2	शामिल सदस्यों की संख्या	: :	12 महिला
6.3	कच्चे माल का स्रोत	: :	जसूर, नूरपुर और कांगड़ा के पास
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	: :	जसूर, नूरपुर और कांगड़ा के पास
6.5	उत्पादन चक्र (दिनों में) प्रतिदिन 4-5 घंटे कार्य के बाद 30 दिन।	: :	400 400 x 25 = 10000 अंडे प्रति माह
6.6	प्रति चक्र आवश्यक श्रमिक (संख्या)	: :	**कुल- रोटेशन के आधार पर 12 सदस्य।**

6. कच्चे माल की आवश्यकता और अनुमानित उत्पादन

1. विपणन/बिक्री का विवरण:

7.1	संभावना बाज़ार स्थान/स्थान	: :	

7.2	माँग	: :	पूरे वर्ष और उच्च मांग समय का उत्सवपूर्ण और विवाह के अवसर.
7.3	प्रक्रिया का पहचान बाज़ार का	: :	समूह के सदस्य आसपास के ग्रामीणों/घरों/रेस्तरां और संपर्क करेंगे होटल.
7.4	विपणन रणनीति	: :	कवर किए गए गाँव – नूरपुर, जसूर, पठानकोट और बकलोह।
7.5	उत्पाद का ब्रांड	: :	बडुही पोल्ट्री

2. समूह के सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण:

- प्रबंधन के लिए नियम बनाये जायेंगे.
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का वितरण करेंगे।
- कार्य की दक्षता एवं क्षमता के आधार पर आवंटन किया जायेगा।
- लाभ का वितरण भी कार्य की गुणवत्ता एवं कौशल एवं परिश्रम के आधार पर किया जायेगा।
- मार्केटिंग में अनुभव रखने वाले 04 सदस्य बारी-बारी से मार्केटिंग करेंगे।
- प्रधान और सचिव एक ही समय में प्रबंधन का मूल्यांकन और निरीक्षण करते रहेंगे।

3. ग्राहकों

हमारे केंद्र के प्राथमिक ग्राहक ज्यादातर बदुही, जसुइर और कंडवाल गांव के आसपास के स्थानीय लोग, रेस्तरां और होटल होंगे, लेकिन बाद में इस व्यवसाय को आसपास की छोटी टाउनशिप में सेवाएं प्रदान करके बढ़ाया जा सकता है।

4. केंद्र का लक्ष्य

केंद्र का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से बडुही और जसूर गांव के निवासियों और आस-पास के गांवों के अन्य सभी निवासियों को उच्च गुणवत्ता वाले और ताजे अंडे और मुर्गियां प्रदान करना है।

यह केंद्र आने वाले वर्षों में अपने परिचालन क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ सबसे प्रसिद्ध पोल्ट्री फार्म बनना सुनिश्चित करेगा।

5. स्वोट अनालिसिस

❖ ताकत

- पोल्ट्री में ऐसे देश की प्रोटीन आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता है जहां कुपोषण व्याप्त है - क्योंकि अंडे/ब्रॉयलर दोनों प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं।
- ग्रामीण जनता की आय बढ़ाने में मदद करता है। इस प्रकार ग्रामीण आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।
- कुक्कुट पादप उत्पादों/अपशिष्ट को खाद्य भोजन में परिवर्तित करने वाले सबसे कुशल तरीकों में से एक है जो कुछ हद तक विशेष रूप से भारत जैसे देश में कुपोषण की समस्या से निपट सकता है।
- धार्मिक वर्जनाओं वाले अन्य मांस (बीफ, पोर्क) के विपरीत, चिकन भारत में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है और बकरी के मांस से सस्ता है।
- पोल्ट्री कूड़े में उच्च खाद मूल्य होता है और इसका उपयोग कृषि गतिविधियों में किया जा सकता है।
- इसमें गैर-कृषि रोजगार पैदा करने और ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में प्रवासन को रोकने की जबरदस्त क्षमता है।
- कम निवेश आवश्यकताओं के साथ अपेक्षाकृत त्वरित रिटर्न उत्पन्न करता है।

❖ **कमजोरी**

- मुर्गीपालन श्रम प्रधान है।
- पोल्ट्री उद्योग की एक अनोखी विशेषता यह है कि यह अत्यधिक विखंडित है
- खराब परिवहन, बुनियादी ढांचे और कोल्ड चेन सुविधाओं की कमी वर्तमान में ठंडे या जमे हुए उत्पादों की महत्वपूर्ण मात्रा को संभालने की व्यवहार्यता को सीमित करती है।
- निवेश करने की लागत के साथ-साथ कम बढ़ते शुल्क बुनियादी ढांचाजैसे शेड, फीडर, ब्रीडर, हीटिंग और कूलिंग सिस्टम के परिणामस्वरूप किसानों की आय कम हो जाती है।
- कड़े मृत्यु दर मानदंड (अधिकांश एकीकरण अनुबंधों में केवल 5% मृत्यु दर की अनुमति है - अन्यथा किसान को दंडित किया जाता है और कम दर की पेशकश की जाती है) किसानों को कमजोर स्थिति में छोड़ देता है और उनके पास अपनी शिकायतों को व्यक्त करने का कोई रास्ता नहीं होता है।

❖ **अवसर**

- धार्मिक वर्जनाओं वाले अन्य मांस (बीफ, पोर्क) के विपरीत प्रति व्यक्ति मौजूद - चिकन भारत में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है और बकरी के मांस से सस्ता है। भारत में खपत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, इसलिए मुर्गीपालन की बड़ी गुंजाइश है।
- इसके अलावा, भारत के पास अंतरराष्ट्रीय बाजार का दोहन करने की भी काफी संभावनाएं हैं।
- संतुलित पोषण की आवश्यकता के बारे में बढ़ती जागरूकता के कारण खाने की आदतों में बदलाव आया है और शाकाहारियों ने अन्य सभी की तुलना में अंडे को अपने आहार का एक हिस्सा स्वीकार किया है।

धमकियाँ/जोखिम प्राकृतिक आपदाएँ

- यदि पर्याप्त स्वास्थ्य सावधानियां नहीं बरती गईं तो संक्रामक/संक्रामक रोग फैल सकते हैं। हाल ही में आए एवियन फ्लू ने दुनिया भर में दहशत की लहर फैला दी है। अन्य पहलू जिन्होंने पोल्ट्री उद्योग को प्रभावित किया है वे हैं हालिया सार्स और इबोला तथा तपेदिक और मलेरिया जैसी पुरानी बीमारियाँ भी।
- प्रमुख चारा सामग्री यानी मक्का की कमी, जो कि फ़ीड राशन का 50 प्रतिशत से अधिक है। इसलिए, लागत में मामूली बढ़ोतरी से भी मुनाफा खत्म हो सकता है।

6. संभावित चुनौतियों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय:

क्रमांक	जोखिमों का विवरण	: :	जोखिम न्यूनीकरण के उपाय
6.1	हो सकता है कि बाजार में मांग कम हो जाए जिसका असर बिक्री और आय पर पड़ेगा.	: :	विपणन उद्देश्य के लिए अतिरिक्त बाजार की खोज की जानी चाहिए।
6.2	देय को गिरावट में गुणवत्ता उत्पादन की बिक्री बढ़ सकती है नीचे।	: :	की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए उत्पाद, एसएचजी सदस्यों को सख्त दिशानिर्देशों का पालन करना होगा।

|

7. मशीनरी, उपकरण और अन्य उपकरण

ए. मूल बातें और अनुमान

क्रमांक।	विवरण	इकाई	मात्रा
मैं। तकनीकी-आर्थिक पैरामीटर			
1	पक्षियों की संख्या	नहीं।	840
2	प्रति वर्ष बैच	नहीं।	2
3	बैच का आकार	हम।	400
4	पक्षियों को बिछाने के लिए माना जाता है	हम।	400
5	पक्षियों को मारने पर विचार किया गया	हम।	400
6	ब्रूडिंग सह विकास अवधि सप्ताहों में		20
7	बिछाने की अवधि सप्ताहों में		52
8	आवास का प्रकार		गहरा कूड़ा
9	ब्रूडर कम ग्रोअर हाउस में प्रति पक्षी स्थान की आवश्यकता	वर्गफुट.	1
10	लेयर शेड में प्रति पक्षी फर्श की जगह (पिंजरा प्रणाली)	वर्गफुट.	0.17
11	पुनर्भुगतान की अवधि	वर्ष	5
12	बैंक ऋण के लिए ब्याज दर	%	12
द्वितीय. व्यय मानदंड			

1	ब्रूडर सह ग्रोअर शेड के निर्माण की लागत	रु. /वर्गफुट	150
2	लेयर शेड के निर्माण की लागत	रु. /वर्गफुट	150
3	स्टोर रूम के निर्माण की लागत	रु. /वर्गफुट	230
4	परतों के लिए पिंजरों की लागत	रु. /चिड़िया	100
5	फीडर, जल और ड्रेसिंग उपकरण	रु.	20
6	एक दिन के चूजों की कीमत	रु. /चिड़िया	30
7	अंडे देने के दौरान चारे की आवश्यकता - 52 सप्ताह अंडे देने के दौरान	रु. /चिड़िया	21
8	उत्पादकों के दौरान चारे की आवश्यकता-20 सप्ताह	रु. /चिड़िया	6
9	चिकी/ग्रोवर मैश	रु. /किलो	14
10	लेयर मैश की लागत	रु. /किलो	12
11	दवा, टीका, श्रम और विविध। प्रभार	रु. /चिड़िया	8
12	बीमा	रु. /चिड़िया	1
तृतीय. आय मानदंड			
1	प्रति पक्षी उत्पादित अंडों की संख्या	अंडे प्रति चक्र	120
2	अंडे का विक्रय मूल्य	रु. /अंडा	10
3	मारे गए पक्षियों का विक्रय मूल्य	रु. /चिड़िया	700
4	खाद एवं बोरियों से आय	रु. /चिड़िया	44

एक I	**पूंजीगत लागत**

सीनियर नहीं।	का विवरण मशीनरी.	मात्रा	के लिए किश्तें इकाई	कुल मात्रा
1.	आवास की लागत (1 वर्ग फुट/पक्षी) (60*9=540 वर्ग फुट)	840	230	1,93,200
2.	कुरोइलर चूजों की कीमत (एक दिन पुरानी)	840	30	24,300
3.	ब्रूडर सह उत्पादक उपकरण	840	40	33600
4.	घर बनाना	800	70	56000
5.	जल आपूर्ति व्यवस्था	रास	रास	12000
	कुल			**319000**

बी।	आवर्ती लागत

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति यूनिट दर (रु.)	राशि (रु.)
1	पहले दो बैचों के लिए उत्पादक फ़ीड	क्यूटीएल.	22	2600	57200
2	1 से 4 सप्ताह तक चूजे को खाना खिलाएं	क्यूटीएल.	4	3000	12000
3	20 से 52 सप्ताह तक परत फ़ीड	क्यूटीएल.	18	2700	48600
.4	अंडे की पैकिंग/ट्रे	संख्या	2000	4	8000
5	दवा, टीका, श्रम और विविध प्रभार	रु./पक्षी	500	10	5000
6	सवारी डिब्बा/ परिवहन	रास	रास	रास	11000
7	बीमा	%	840	1	840
	कुल				**142640**

7. **कुल उत्पादन और बिक्री मात्रा में महीना** चूँकि यह एसएचजी में उनके नियमित घरेलू काम के अलावा एक अतिरिक्त गतिविधि है, इसका परिणाम प्रत्येक सदस्य के काम के घंटों के अनुपात में होगा। शुरुआत में उत्पादन को रूढ़िवादी स्तर पर रखना हमेशा बेहतर होता है जिसे समय और कार्य अनुभव के साथ हमेशा बढ़ाया जा सकता है।

8. 1 **चक्र में कुल उत्पादन राशि और बिक्री राशि**

सी)	कुल बिक्री			
क्रमांक	विशिष्ट	मात्रा	दर (रु.)	राशि (रु.)
1	अंडे	60,000	8	480000
2	मांस/चिकन	800	600	480000
	कुल (सी)			960000

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान (75%)	एसएचजी योगदान (25%)
कुल पूंजीगत लागत	319000	239250	79750
आवर्ती लागत	142640	-	142640
कुल	461640	239250	222390

हालाँकि, की एक राशि 240000 **रूपये** यह परियोजना का समर्थन है इसलिए गणना के उद्देश्य से इस राशि को व्यय कॉलम से सुरक्षित रूप से काटा जा सकता है और शुद्ध आय को फिर से डाला जा सकता है। इसके अलावा, एसएचजी के सदस्य सामूहिक रूप से काम करेंगे इसलिए उनके वेतन को ध्यान में नहीं रखा गया है। महीने के अंत में शुद्ध आय को निम्नानुसार पुनः व्यवस्थित किया जाता है:

ब्यौरा	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान 75%	एसएचजी योगदान 25%
पूंजीगत लागत	319000	239250	79750
आवर्ती व्यय	142640	–	142640
प्रशिक्षण	38000	38000	–
कुल	499640	277250	222390

9. लाभ का बंटवारा

एसएचजी के सदस्यों ने आपसी सहमति से सहमति व्यक्त की है कि 1 अनुसूचित जनजाति साइकिल रु. प्रत्येक सदस्य को आय के रूप में 26311 रुपये का भुगतान किया जाएगा और 200000 रुपये का शेष लाभ भविष्य की आकस्मिकता, यदि कोई हो, को पूरा करने के लिए उनके बैंक खाते में आपातकालीन आरक्षित के रूप में रखा जाएगा।

10.समूह में निधि प्रवाह:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान (75%)	एसएचजी योगदान (25%)
कुल पूंजीगत लागत	319000	239250	79750
आवर्ती लागत	**142640**	**-**	**142640**
प्रशिक्षण	**38000**	**38000**	**-**
कुल	**499640**	**277250**	**222390**

टिप्पणी-

- **पूंजीगत लागत** - कुल पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा
- **आवर्ती लागत** -संपूर्ण लागत एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन की जाएगी।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन**-परियोजना द्वारा वहन की जाने वाली कुल लागत

8. धन और खरीद के स्रोत:

परियोजना का समर्थन;	• उत्पाद की खरीद के लिए पूंजीगत लागत का 75% उपयोग किया जाएगा। • रुपये तक. रिवॉल्विंग फंड के रूप में एसएचजी बैंक खाते में 1 लाख रुपये जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	मशीनों की खरीद सभी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। • आवर्ती लागत एसएचजी द्वारा वहन की जाएगी	

9. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

10.ऋण चुकौती अनुसूची-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालाँकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी का बकाया मूल ऋण वर्ष में एक बार बैंकों को पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

11.निगरानी विधि-

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और अनुमान के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की भी समीक्षा करनी चाहिए और यदि आवश्यकता हो तो प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

12. टिप्पणियाँ

समूह के सदस्यों की तस्वीरें-

संकल्प सह समूह सहमति प्रपत्र

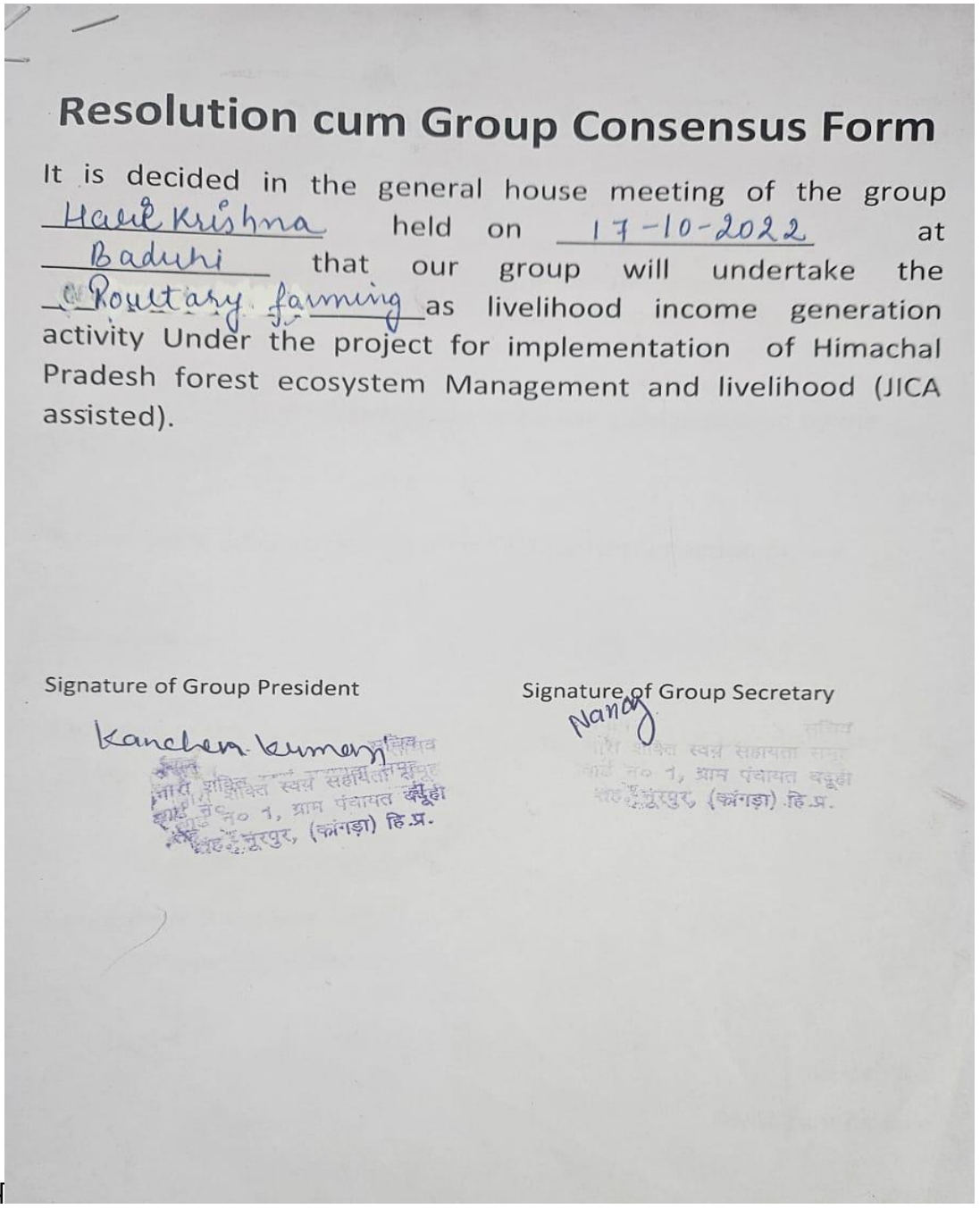

Resolution cum Group Consensus Form

It is decided in the general house meeting of the group Hari Krishna held on 17-10-2022 at Baduhi that our group will undertake the Poultary farming as livelihood income generation activity Under the project for implementation of Himachal Pradesh forest ecosystem Management and livelihood (JICA assisted).

Signature of Group President

Kanchen kumari

Signature of Group Secretary

Nancy

साथ

वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा बिजनेस प्लान की मंजूरी

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Hare Krishna Group will undertake the Poultry farming as livelihood Income Generation Activity under the project for implementation of Himachal Pradesh forest ecosystem Management and livelihood (JICA assisted). In this regard business plan of amount Rs. 499640/- has been submitted by group on 17/10/2022 and the business plan has been approved by the VFDS Baduhi

Business plan is submitted through FTU for further action please.

Thank you

Signature of Group President

Kanchan Kumari

अध्यक्ष सचिव
नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह
वार्ड नं० 1, ग्राम पंचायत बदूही
तह. नूरपुर, (कांगड़ा) हि.प्र.

Signature of Group Secretary

Nancy

Signature of President VFDS

Suman Kumari

प्रधान
ग्राम वन सु... (एफ.डी.एस.)
ग्राम पं... तह. नूरपुर
जिला ... (हि. प्र.)

Approved

DMU cum Nurpur